

डालटनगंज (मेदिनीनगर)

शुक्रवार

30 मई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास



राष्ट्रीय नवीन मेल

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

सत्यमेव जयते



पेज 10

एक नजर

भारत में नाचने के क्रम में हर्ष फायरिंग, युवक की मौत

चतरा। शहीद समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। यह घटना चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड के बरवा कोचा गांव की है। मृतक का नाम अभिषेक कुमार (22 वर्ष) है। मृतक के परिजनों की शिकायत पर प्रतापपुर पुलिस ने गुरुवार को एक देसी कट्टे के साथ दो युवक विक्रम कुमार और सुमित कुमार को हिरासत में लिया है। घटना बुधवार देर रात की है। पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के जीजा नंदलाल यादव ने बताया कि इमामगंज के बरडीह से बारात प्रतापपुर के बरवाकोचा गया था। अभिषेक गया में रहता था। उसके दोस्त की शादी हो रही थी। उसने जबरदस्ती शादी में बुलाया। नाचने के दौरान लड़ाई हुई थी। इसी बीच गोली चलने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कंधे और हाथ में गोली लगने से वह गिर गया था। शरीर से सारा खून निकल गया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना प्रतापपुर पुलिस को दी गई। प्रतापपुर पुलिस देशी कट्टे के साथ विक्रम कुमार और सुमित कुमार को हिरासत में लिया है। इस घटना से गांव में मातम का माहौल है।

**व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें**

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर

72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपतिजनक बातें भेजने पर आइटि एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर

72094 03444 संपर्क करें।



● नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटाने की अपील, संगठित अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई का एलान

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नौशाद आलम अंसारी एक संवेदनशील, अनुशासित और जनपक्षधर पुलिस अधिकारी हैं। वे जन-संवेदना को प्राथमिकता देने और पुलिस को जनता के करीब लाने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। उनका फोकस पुलिस-जन सहयोग, कानून व्यवस्था की मजबूती और संगठित अपराध पर सख्ती से कार्रवाई पर है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और मुख्यधारा में वापसी की पहल उनके कार्य की एक अहम विशेषता है। उनका मानना है कि झारखंड के समग्र विकास

के लिए पुलिस, प्रशासन और आम नागरिकों को मिलकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। प्रस्तुत है राष्ट्रीय नवीन मेल के स्थानीय संपादक राणा अरुण सिंह से हुई खास बातचीत के प्रमुख अंश: **सवाल :** पलामू प्रमंडल में आपकी प्राथमिकताएं क्या रहेंगी? **जवाब :** जनता की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। पुलिस को सरल और सौम्य तरीके से काम करना होगा, ताकि पीड़ित ग्रामीणों का विश्वास जीता जा सके। **सवाल :** पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कैसे कम की जाएगी? **जवाब :** पुलिस को “पीपुल फ्रेंडली” बनाना होगा। जनता के बीच एक्सेस बढ़े, इसके लिए संवाद, सहयोग और संवेदनशीलता जरूरी है।



सवाल : क्या समाज के हर वर्ग को साथ लेने की कोशिश की जाएगी? **जवाब :** बिल्कुल। समाज में कुछ असामाजिक तत्व होते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो उनसे परेशान हैं। हमें उन्हीं का भरोसा जीतना है।

सवाल : लापरवाह पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई होगी? **जवाब :** जो पुलिस अधिकारी कसौटी पर खरे नहीं उतरेंगे, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। शिकायत मिलते ही तत्काल कदम उठाए जाएंगे। **सवाल :** नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को लेकर आपकी क्या रणनीति है? **जवाब :** मैंने नक्सलियों से अपील की है कि वे सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ लें और मुख्यधारा में लौटें। जंगल में रहकर वे अपना और समाज का कोई भला नहीं कर सकते। **सवाल :** अगर वे नहीं लौटें तो? **जवाब :** फिर पुलिस की शक्ति से उनका मुकाबला किया जाएगा। लेकिन हमारी कोशिश है कि वे खुद लौटकर समाज में योगदान दें।

सवाल : झारखंड के विकास में पुलिस की भूमिका क्या हो सकती है? **जवाब :** हम सभी झारखंडी हैं। जब तक सब मिलकर काम नहीं करेंगे, झारखंड का विकास संभव नहीं। हर व्यक्ति और संस्था को अपनी भूमिका रेखांकित करनी होगी। **सवाल :** संगठित अपराध को लेकर क्या विशेष कदम उठाए जाएंगे? **जवाब :** ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के खिलाफ हमारी कार्यवाही तेज होगी। चिन्हित अपराधियों पर फोकस करते हुए कार्रवाई की जाएगी। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। **सवाल :** क्या यह अभियान लगातार जारी रहेगा? **जवाब :** हां, संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान निरंतर तेज गति से चलता रहेगा।

भारत की खुशियां मातम में बदली सड़क हादसे में चार की मौत, कई घायल

● तरहसी थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरवा गांव में डीजे वाहन से टकराकर पलटी बारातियों की गाड़ी, मृतकों के घरों में मचा कोहराम

● हादसे से पूरे गांव में शोक, शादी की खुशियां पलभर में बदल गई मातम में।

● पुलिस ने सवारी वाहन जब्त किया, डीजे चालक मौके से फरार।

नवीन मेल संवाददाता



मेदिनीनगर। तरहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रह्मपुरवा गांव में बुधवार रात करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बारातियों को ले जा रही सवारी गाड़ी और डीजे वाहन के बीच हुई जोरदार टक्कर में सवारी वाहन पलट गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग घायल हो गए। दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि दो अन्य ने इलाज

के दौरान दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बारात मनातू प्रखंड के रीया पंचायत स्थित चुनका-पसिया गांव से सतबरवा प्रखंड के बोहिता गांव जा रही थी। रास्ते में ब्रह्मपुरवा गांव के पास सामने से आ रहे डीजे वाहन ने बारातियों की सवारी गाड़ी को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि गाड़ी में लोग

ऊपर और नीचे दोनों ओर बैठे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। सभी घायलों को इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छह घायलों को गंभीर स्थिति में रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया

गया। मृतकों की पहचान विकास सिंह (17 वर्ष), पिता राजेश्वर सिंह, गांव सिक्की खुर्द, पाटन; चंदन यादव (14 वर्ष), पिता राजदेव यादव, मनातू; विकेश कुमार (22 वर्ष), पिता जयराम सिंह, नावा जयपुर; और विशेष कुमार सिंह (15 वर्ष), पिता शिवनाथ सिंह, नावा चुनका के रूप में हुई है।

सभी मृतक आपस में रिश्तेदार या पड़ोसी बताए जा रहे हैं। घायलों में चंदन, दीपक कुमार सिंह, कंचन कुमार सिंह, राहुल, अखिलेश सिंह, सूर्यनारायण सिंह, विवेक कुमार सिंह, मनोज सिंह, संजय सिंह, रंजीत सिंह समेत कई अन्य शामिल हैं। इनमें से मनोज और चंदन समेत छह लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही तरहसी थाना प्रभारी नीरज कुमार और मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सवारी वाहन को जब्त कर लिया है। हालांकि टक्कर मारने वाला डीजे वाहन मौका पाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। इस हादसे ने पूरे गांव को गहरे शोक में डाल दिया है। जिस घर में शादी की खुशियां होनी थीं, वहां अब मातम पसर हुआ है। मृतकों के परिजन बदहवासी में हैं और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

शराब घोटाले में आईएस विनय चौबे सहित चार अधिकारी सस्पेंड



● एसीबी ने रिमांड पर लेकर थुलु की पूछताछ

रांची। झारखंड सरकार ने शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए सीनियर आईएस विनय चौबे सहित चार अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इन अफसरों में उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेन्द्र सिंह, झारखंड राज्य बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड रांची के महाप्रबंधक सुधीर कुमार दास और पूर्व महाप्रबंधक सुधीर कुमार शामिल हैं। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। शराब घोटाले की जांच कर रही राज्य सरकार की एंजेंसी एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने विनय चौबे और गजेन्द्र सिंह को 20 मई और अन्य दो अधिकारियों को 21 मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। इन सभी का निर्बंधन जेल जाने की तिथि से ही प्रभावी होगा। इस बीच एसीबी ने विनय चौबे और गजेन्द्र सिंह को न्यायालय के आदेश पर गुरुवार को सुबह 10 बजे से दो दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की।

सूत्रों के अनुसार, एंजेंसी ने दोनों से पिछले तीन वर्षों में उनके एवं उनके परिजनों के नाम पर अर्जित संपत्ति, निवेश और उनके स्रोतों के बारे में सवाल किए हैं। उनसे वर्ष 2022 में राज्य में नई उत्पाद नीति लागू होने के बाद थोक कारोबार का टेंडर लाने वाले सिंडिकेट में शामिल लोगों से रिश्तों के बारे में भी जानकारी मांगी गई। एसीबी ने अब तक की जांच में पाया है कि इन अधिकारियों की साजिश की वजह से राज्य सरकार को 38 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह रकम और बढ़ने की संभावना बताई जा रही है। झारखंड में शराब घोटाले की शुरुआत वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ की तर्ज पर नई एक्सजाइज पॉलिसी लागू होने के साथ ही हो गई थी। इस पॉलिसी को जमीन पर उतारने के लिए बतौर कंसल्टेंट छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के साथ करार किया गया था। झारखंड में इस पॉलिसी को लागू करने की प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की गईं। आरोप है कि एक खास सिंडिकेट को शराब का टेंडर दिलाने के लिए मनमाने तरीके से जीत बदल दी गई।

भारतीय सेना को नमन

भारत की तरफ दूसरा देश अब आंख नहीं उठाएगा

भारतीय सेना का पराक्रम अद्वितीय है। पहलगाय हमले के बाद भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया उसका पूरे विश्व में डंका बज रहा है। हमारी सेना सामने से पाकिस्तान के साथ लड़ रही थी, लेकिन पीछे से तीन देश उसके सपोर्ट में खड़े। उन देशों में चीन भी शामिल था। जिसे भारतीय सेना के पराक्रम के आगे झुकना पड़ा। हम ऐसे देश में हैं, जहां की जनता सेना के भरोसे पूरी तरह सुरक्षित है। अब हमारे देश की तरफ कोई दूसरा दूसरा देश आंख



रोहन देव पाठक
सिंगर एवं ज्युनिक कैंपोजर रांची

उठाकर देखने की कोशिश भी नहीं करेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से वर्चुअल माध्यम से इरफान अंसारी ने की बैठक, कहा -

झारखंड को मिले विशेष स्वास्थ्य पैकेज, राज्य में एम्स और 5 मेडिकल कॉलेज खोली जाए

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि राज्य की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति और आदिवासी बहुलता को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विशेष पैकेज दिया जाए। उन्होंने यह मांग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में रखी। नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आरसीएच सभागार से इस बैठक में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने भाग लिया। उनके साथ अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक

अबु इमरान, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ. चंद्र किशोर शाही एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, खसरा-रूबेला टीकाकरण, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वां वित्त आयोग अनुदान, और पीएसए प्लानेट संचालन पर चर्चा की गई। डॉ. अंसारी ने बताया कि झारखंड में टीबी मरीजों को अब “निक्षय आहार योजना” के तहत 500 रुपये के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह पोषण सहायता दी जा रही है। अब तक 12 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से मरीजों को हस्तांतरित किए



जा चुके हैं। राज्य में अब तक 226 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। साथ ही 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को राज्य में गंभीरता से चलाया जा रहा है। खसरा एवं रूबेला की रोकथाम के लिए वर्ष 2023 में 9 उच्च जोखिम जिलों – साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा

और दुमका में 45 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में MR-1 टीका 8,41,319 बच्चों को और MR-2 टीका 7,83,165 बच्चों को दिया गया। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। डॉ. अंसारी ने रांची में एम्स की स्थापना, पांच नए मेडिकल कॉलेज और एक मेडिकल सिटी की मांग दोहराते हुए कहा कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए

जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि “आप अच्छा कार्य कर रहे हैं, मैं आपकी सोच की सराहना करता हूँ और हर संभव मदद करूंगा”। उन्होंने डॉ. अंसारी को निर्देशित किया कि वे एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट के साथ दिल्ली जाएं, जिससे झारखंड की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की जा सके। डॉ. अंसारी ने जानकारी दी कि 1170 पंचायतों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है, और स्वास्थ्य विभाग तेजी से कार्य कर रहा है ताकि दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराई जा सकें।

इंडिया ये लड़ाई है देशभक्ति भरे सिंदूर और जातीय आरक्षण से लाभ उठाने की

दुआलोचना करना हमारे स्वभाव में है पर जब से सोशल मीडिया का प्रचालन बढ़ा है तब से हम अधिक मुखर हुए हैं। कुछ मामलों में आलोचना सार्थक भी होती है पर आजकल चलन राजनीतिक विद्वेष के लिए चरित्र हनन से लेकर झूठे मामलों पर भी आलोचना की जा रही और पैसे देकर इन्हें वायरल भी कराया जाता है जिससे ऐसा लगे जैसे जनता नाराज है। अभी बिहार सहित कुछ राज्यों में चुनाव हैं तो ऐसे मामले उछाले जा रहे हैं। हम सबसे अधिक आलोचना खराब व्यवस्था की करते हैं पर जब कोई सफल लेखक, पत्रकार, अधिकारी या जन राजनीति में आकर उसे सुधारना चाहता है तो उसकी भी नीयत पर सवाल उठाए जाते हैं। भारत में सबसे अधिक आलोचना नेताओं की होती है और दूसरी ओर सत्ता का आकर्षण भी सबसे बड़ा होता है जिसे हर कोई प्राप्त करना चाहता है। हजारों साल की गुलामी के बाद मिली आजादी

के बाद सबसे बड़ा संकट नेतृत्व का था क्योंकि गलत आदमी के हाथों सत्ता जाने पर उसके दूरगामी प्रभाव पड़ते हैं। अनेक मामलों में विभिन्न राज्यों के साथ झारखंड भी अपेक्षित विकास नहीं कर पाया जिसका दोष नेतृत्व पर ही थोपा जाता है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियां जब तक सत्ता से दूर रहती हैं तब तक जमीनी स्तर के नेताओं को अवसर देने की बात करती है और सत्ता में आने पर समर्पित कार्यकर्ताओं के बजाय उन पर टिकट बेचने के आरोप लगने लगते हैं। आजकल चलन में है कि अपने काले धंधे को कवर करने या नेतागिरी की आड़ में करोड़ों कमाने के लिए अनेक लोग राजनीति में आना चाहते हैं और उनका समाज सेवा से दूर का भी रिश्ता नहीं होता। जबकि विभिन्न पार्टियों की विचारधारा से प्रभावित हजारों समर्पित कार्यकर्ता किनारे कर दिए जाते हैं। जैसे जैसे लोगों में राजनीतिक चेतना और परिपक्वता विकसित हो रही है टिकट खरीदवाले या समाज सेवा का ढोंग करने वाले आरक्षण प्रवृत्ति के कथित नेताओं को पब्लिक ने नकारना शुरू कर दिया है। पिछली



लोकसभा में अपेक्षित सफलता से दूर भाजपा भी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में जिस तरह महीनों पहले से सक्रिय है उससे लग रहा है कि इस बार टिकट वितरण में सावधानी बरतेगी। अन्य पार्टियां भी चुनाव जिताने वाले उम्मीदवारों की तलाश में धन के साथ जन से मजबूत लोगों को प्रश्रय देगी। फैसला तो जनता के हाथों में है पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने राजनीति में परिवारवाद व जातिवाद को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि राजनीति में ऐसे नए लोगों को अवसर मिलना चाहिए जिनके परिवारों का पहले से कोई राजनीतिक बैकग्राउंड न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों को परिवारवाद से बचाने के लिए एक लाख ऐसे युवाओं को आगे लाने की बात की उन्होंने कहा कि ये एक लाख युवा ऐसे परिवारों से आए जिनका राजनीति से कोई संबंध

न रहा हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे एक लाख लोग, फ्रेश ब्लड चाहे ग्राम पंचायत में आए, नगर पालिका में आए, जिला परिषदों में आए, चाहे विधानसभाओं में आए या लोकसभा में आए। इससे पहले उनके परिवार का कोई राजनीतिक इतिहास न हो, ऐसे फ्रेश लोग राजनीति में आए प्रधानमंत्री अभी ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा देश में कर रहे हैं तो कुछ विपक्षी पार्टियां जो पहलगाम में नृशंस हत्याकांड को ही फज्जी

तीर्थ यात्रा पर पत्नी संग निकले मुख्यमंत्री हेमंत



रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केदारनाथ दर्शन के लिए रांची एयरपोर्ट से गुरुवार को अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रवाना हुए। मुख्यमंत्री रांची से दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं, वहां से वह उत्तराखंड जाएंगे। मुख्यमंत्री को एक जून को रांची लौटने की संभावना है। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर 30 मई को 16वें वित्त आयोग की टीम के साथ होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे और झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि 2024 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हेमंत सोरेन लगातार तीर्थ स्थलों का दौरा कर रहे हैं। पूजा-अर्चना कर रहे हैं। फरवरी में मुख्यमंत्री अपनी धर्म पत्नी कल्पना सोरेन के साथ कोलकाता स्थित शक्तिपीठ कालीघाट में मां काली के दर्शन किए। दोनों ने गर्भवती में विधिवान से पूजा-अर्चना की थी।

नीलगाय ने बाइक पर किया हमला, दो घायल



कुमार पासवान शामिल हैं। बताया जाता है कि दोनों युवक अपने किसी रिश्तेदार के बाइक से जा रहे थे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर

नवीन मेल संवाददाता हुसैनाबाद। गुरुवार को जपला छतरपुर मुख्य पथ के कचरा मोड़ के समीप नीलगाय के हमले से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया गया। घायलों में हुसैनाबाद के महुआरी गांव निवासी अभिषेक कुमार पासवान एवं बादल

प्राथमिक उपचार के बाद मेदिनीनगर रेफर

देखते हुए मेदिनीनगर रेफर कर दिया। क्षेत्र में नीलगाय का झुंड फसलों सब्जियों को नुकसान करने के साथ साथ राहगीरों और बाइक सवारों पर भी हमला करना शुरू कर दिया है। हैदरनगर कबरा कला, जपला नबीनगर, जपला दंगवार, जपला छतरपुर सड़क में कब कहां कीन नीलगाय का शिकार हो जाएगा, कहा नहीं जा सकता है।

12 लोगों के खिलाफ मारपीट का आरोप

नवीन मेल संवाददाता हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र के कचरा गांव निवासी नारायण मेहता की पत्नी मुंगिया देवी ने हुसैनाबाद थाना को आवेदन देकर कहा है कि 5 ट्रैक्टर मिट्टी मुरम लेकर उनके खेत से होते हुए ट्रैक्टर ले जाया जा रहा था। उन्होंने ड्राइवर को कहा कि मेरे खेत सी ट्रैक्टर लेकर मत ले जाओ। तब ड्राइवर ने कहा कि इसी जमीन में मिट्टी डालना है। इसमें रोड बनाना है। इतना कहते हुए ट्रैक्टर से मिट्टी मोरम जमीन में गिरा दिया गया। जहां शोर मचाया तो आस पास में ही खड़े गांव के उषेंद्र वर्मा,सुदर्शन मेहता, कमलेश मेहता,



पुत्रवधु और नातिन बाहर निकली तो उन्होंने पुत्रवधु का बांह पकड़ कर पटक दिया व बदसलुकी भी की। साथ ही नातिन को भी डंडे से पीटा गया है। उन्होंने धमकी दिया कि इसकी सूचना थाना पुलिस को दिया तो कभी भी जान से मार देंगे। मुंगिया देवी ने थाना प्रभारी हुसैनाबाद से प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया है। इस संबंध में हुसैनाबाद पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया यह भूमि विवाद का मामला प्रतीत होता है।

मनीष मेहता, विपिन कुमार मेहता, मनोहर वर्मा, उर्मिला देवी, सुमति देवी, शारदा देवी,रंजना देवी, उषेंद्र मेहता व जितेंद्र मेहता की पत्नी ने जानलेवा हमला किया व हथौड़ी से सिर पर वार कर माता फोड़ दिया जिससे वह जमीन पर गिर गईं। गिरने के बाद भी लाठी डंडे से पीटा गया। हल्ला सुनकर जब घर के लोग

चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान को सफल बनाने की दिलाई गई शपथ

नवीन मेल संवाददाता मोहम्मदगंज। प्रखंड सभागार में गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन के तहत विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के उद्घाटन में चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान केछठे चरण को सफल बनाने को लेकर आयोजित बैठक में बीडीओ रणवीर कुमार ने शपथ दिलाई। बैठक में शामिल पंचायत प्रतिनिधियों, विभागीय अधिक्यता, समन्वयक, अधिकारियों, पंचायत सचिव, प्रखंड व अंचल कर्मियों सहित अन्य सभी ने इसकी शपथ ली। सभी ने उक्त अभियान के तहत 100 किशोरियों और महिलाओं को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने,परिवार और समुदाय में इसे लेकर फैली भ्रांतियों और मिथक को तोड़ने को लेकर सही जानकारी देने की बात कही गई। माहवारी अपशिष्ट के उचित निपटारा, भभक के उपयोग के लिए सजगता बढ़ाने के साथ ही इस प्रथा को अपनकर संक्रमण से बचाव के लिए प्रोत्साहित करने की जानकारी दी गई। इसके अलावा इसे लेकर परिवारिक और सामाजिक दायित्व को पूरा करने के लिए तन मन व धन से योगदान करते हुए स्वस्थ व स्वास्थ्यवर्धक

वातावरण के निर्माण में कर्तव्य का इमानदारी के साथ निर्वहन करने की शपथ ली। बीडीओ ने इस अभियान को सफल बनाने को लेकर 30 मई से 8 जून तक निर्धारित कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेकर तब विंदुओं पर काम करते हुए इस अभियान को घर-घर पहुंचाने की कोशिश करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर रैली और छोटे-छोटे समूह के बीच संदेश देकर बड़े समुदाय में इसके प्रति जागरूकता कायम की जा सकती है। इसमें पंचायत प्रतिनिधियों और महिला समूह की दीदीयां जल सहियाओं के साथ समन्वय स्थापित कर इस अभियान को सफल बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। उन्होंने पंचायत स्तर पर इसके लिए बैठक आयोजित कर अभियान को सफल बनाने की हिदायत मुखिया को दी। बैठक में प्रखंड 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति अध्यक्ष ज्वाउद्दीन खान, उपप्रमुख नगीना सिंह, मुखिया अब्नुसर सिद्दीकी, उमेश राम, विकास सिंह, उपमुखिया पप्पू कुमार प्रजापति, कनीय अभियंता 15 वें वित्त आयोग विवेक कुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह और अन्य कई शामिल थे।

प्रधानमंत्री आज करेंगे सोन नगर-मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाईन राष्ट्र को समर्पित

नवीन मेल संवाददाता मोहम्मदगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को बिहार दौरा क्रम में सोननगर-मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाईन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसकी जानकारी रेलवे की सोशल मीडिया ग्रुप में शेयर की गई है। इसमें बताया गया है कि सोन नगर और मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाईन से ट्रेन संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। इससे अंकोरहा और नवीनगर में बिजली



संयंत्रों तक कोयले की तेज और अधिक कुशल आवाजाही संभव हो सकेगी। इससे यात्रा समय में कमी आएगी। यह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) लाइन के लिए फीडर रूट के रूप में कार्य करता है। बगहा बिशुपुर् प्स्टेशन

पीएम किसान संचुरेशन अभियान शुरू

मोहम्मदगंज। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत संचुरेशन अभियान गुरुवार से शुरू कर दिया गया है। पहले दिन रामबांध पंचायत में विशेष कैंप लगाया गया। इस कैंप की क्या उपलब्धि रही। इसकी जानकारी संबंधित अधिकारी को कॉल, वॉट्सएप मैसेज करने के बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई। बल्कि यूं कहा जाए कि उन्होंने इसका कोई रिसांस नहीं दिया। शुक्रवार को पंसा पंचायत सचिवालय के बाद शनिवार को कोल्हुआ-सोनबरसा और 2 जून को लटपौरी,3 गोड़ाडीह, 4 भर्जनियां,5 मोहम्मदगंज और 6 जून को कादलकुर्मी पंचायत सचिवालय में इसे लेकर विशेष कैंप लगाए जाएंगे। बीडीओ रणवीर कुमार ने पत्र निर्गत कर दिया है। इसमें कहा गया है कि कैंप में इस योजना के मृत लाभुकों के नाम हटाकर नये योग्य, पीवीटीजी, आदिवासी और वंचित किसानों की पहचान, सत्यापन व आवेदन प्राप्त कर रिकार्ड को अपडेट करते हुए उन्हें लाभान्वित किया जाना है।

मौसम की आंख मिचौली से असहज बना वातावरण

गर्मा फसलों के लिए फायदेमंद



► नियमित बारिश को लेकर अशुभ संकेत

नवीन मेल संवाददाता मोहम्मदगंज। हाल के दिनों में मौसम की आंख मिचौली से जनजीवन के लिए असहज वातावरण बन गया है। किसानों का कहना है कि अभी मृगशिरा नक्षत्र में जहां मौसम को तपना चाहिए था, वहां काफी धूप कभी छांव से आद्रां नक्षत्र में अच्छी बारिश को लेकर अशुभ संकेत मिल रहा है। आसमान में कभी

◄ आठ अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

नवीन मेल संवाददाता चैनपुर। थाना क्षेत्र के लादी स्कूल के पास पय्जुन फाइनंस कंपनी के सेल्समैन धर्मेन्द्र विश्वकर्मा से 45 हजार रूपए लूट लेने का मामला सामने आया है। घटना बुधवार देर शाम बताया जाता है। इस संबंध में गुरुवार को थाना में मामला दर्ज कराया गया है। घटना को 7-8 की संख्या में अपराधियों ने अंजाम दिया। पुलिस ने तत्काल ही कार्रवाई करते हुए लादी के मुकेश ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। उससे



पूछताछ की जा रही है। उसके अन्य साथियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार छतरपुर के

बगैया के रहने वाले और फिलहाल बारालोटा में रह रहे पय्जुन फाइनंस कंपनी के सेल्समैन धर्मेन्द्र विश्वकर्मा लादी समेत अन्य क्षेत्रों

केसीसी ऋण माफी योजना रथ को बीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवीन मेल संवाददाता ऊंटारी रोड़। प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन से गुरुवार को केसीसी ऋण माफी योजना का रथ रवाना किया गया। रथ का रवाना बीडीओ श्रवण कुमार भगत,सीओ वासुदेव राय, प्रखंड कृषि पदाधिकारी



अनुज कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज कुमार ने बताया कि रथ पूरे प्रखंड का भ्रमण करेगा, जिसके माध्यम से किसानों की ऋण माफी योजना की जानकारी। केसीसी आवेदन का

सुजन व ब्लॉक चैन में किसानो को निबंधन कराने की जानकारी दी जाएगी। मौके पर पंचायत सचिव शिला कुमारी, मुन्ना सिंह, अरविंद , प्रमुख प्रतिनिधि अरूण कुमार, आवस कॉर्डिनेटर विमलेश कुमार मौजूद थे।

स्वस्थ जीवन के लिये किशोरियों व महिलाओं को स्वयं करनी होगी पहल: बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड सभागार हैदरनगर में गुरुवार को चुप्पी तोड़ो-स्वस्थ रहो अभियान के छठे आयेजन पर प्रतिनिधियों व विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बैठक कर इसकी सफलता के लिये एक साथ संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीडीओ विश्व प्रताप मालवा ने कहा कि सभी किशोरियों, महिलाओं के स्वस्थ और कुशल जीवन शैली को स्वयं प्रभावी बनाने पर पहल करनी होगी। प्रशासनिक स्तर पर उन्हें ससमय पूरी मार्गदर्शन व जागरुकता लाने का कार्य किया जा रहा है। संचालन कर रहे प्रखंड वॉश समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि ने उपस्थित प्रतीभागियों ने चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान की सफलता व सबकी सहभागिता की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। प्रखंड प्रमुख कलावती देवी ने प्रधानमंत्री के माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के जोड़ने के विषय के प्रति कहा कि महिलाओं के सकारात्मक सोंच से ही बेहतर परिणाम आयेगे। उप प्रमुख पप्पू कुमार पासवान ने समाज में फैली कुर्रितियां यथा मासिक के दौरान स्नान

e-NIT Tender Notice

e-Tender in two parts i.e. Technical Part (Part-I) and Price Part (Part-II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm/agency/contractors for the following work:-

Sl. No	e-N.I.T. No.	Name of works	Completion Period	e-tender fee (Rs.) (non-refundable) including GST@18%	E. M. Deposit (Rs.)	Estimated Cost (in Rs.)
1.	156/PR/J USNL/ 2025-26	Repair & maintenance, Painting (inside & outside area), Sanitary work, Septic Tank and other miscellaneous work of E-02 Quarter at colony campus of 132/33 KV G.S.S. Garhwa Road.	03 Months	1476/-	17000/-	8,46,082.00
Availability of Tender Documents on e-Tender website				03.06.2025 at 12:00 PM		
Start Date & Time of upload of BID				03.06.2025 at 12:00 PM		
End date and time of upload of BID				24.06.2025 at 12:00 PM		
BID Opening date for Technical Part (Part-I)				25.06.2025 at 02:00 PM		
BID Opening date for Price Part (Part-II)				Will be communicated later on		
Tender Inviting Authority and address for communication				General Manager, Transmission Zone - IV, Medininagar, Bypass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand		

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website <http://jsharkhandtenders.gov.in>. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 9835768602 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावों। कृपया अपनी शिकायतों को डॉल फॉन नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करावें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 353815 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 25-26 (D)

संपादकीय

एमएसपी बढ़ाना उचित पर किसानों को समय पर हो भुगतान

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने खरीफ के मौसम की शुरुआत से पहले ही चौदह खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी देकर देश के किसानों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम उठाया है। एमएसपी दरअसल वह निर्धारित मूल्य होता है, जो किसानों को बाजार में उनकी उच्च के मूल्य से अप्रभावित रहते हुए दिया जाता है। इसके पीछे सोच यही होती है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े।



एमएसपी में वृद्धि की यह घोषणा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह ऐसे समय में की गई है, जब किसान बहती लागत, असामान्य मौसमी प्रवृत्तियों और बाजार की अस्थिरता से जूझ रहे हैं।

होगी, जब इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इसके लिए सरकार को पाददशी खरीद तंत्र, बेहतर भंडारण सुविधाएं और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है। कैबिनेट का यह निर्णय यकीनन किसानों के लिए एक राहत भरा कदम है, लेकिन इसके साथ ही सरकार को दीर्घकालिक कृषि सुधारों पर भी ध्यान देना होगा। किसानों की आय व उत्पादकता में वृद्धि के लिए सिंचाई, गुणवत्तापूर्ण बीज, तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण पर तो गौर करना होगा ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिहाज से भी यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य मिले। झारखंड में अगली खेती का समय आ गया पर अभी तक धान की सरकारी खरीद का पूरा भुगतान नहीं किया गया है।

समाज में एक पुरानी कहावत चलती है – “मर्द को दर्द नहीं होता।” पर असलियत यह है कि दर्द तो मर्द को भी होता है, बस वो कह नहीं पाता। लड़कों को बचपन से सिखाया जाता है कि अगर गिर जाओ तो रोना मत, अगर चोट लगे तो सह लो, अगर मन उदास हो तो चुपचाप सो जाओ। उन्हें कभी ये नहीं बताया जाता कि भावनाओं को महसूस करना कमजोरी नहीं होती, बल्कि इंसान होने का प्रमाण होती है। समय बीतता है, और वही बच्चा बड़ा होकर पति बनता है, पिता बनता है, बेटा बनता है – लेकिन इंसान बनने की इजाजत उसे कभी नहीं मिलती। वो हँसता है, काम करता है, घर चलाता है, लेकिन अंदर ही अंदर थक जाता है। कभी नौकरी का दबाव, कभी रिश्तों की उलझन, कभी खुद को अकेले महसूस करने का बोझ – लेकिन चेहरे पर मुस्कान बनी रहती है, क्योंकि उसे यही सिखाया गया है। आखिर ऐसा क्यों? क्यों पुरुष डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं? क्यों हार्ट अटैक के मामले पुरुषों में ज्यादा हो रहे हैं? क्यों कि समाज ने पुरुषों के लिए एक ढाँचा तय कर दिया है –

स्वास्थ्य बात



वीणा देवांगन
अभियंता, शिक्षा विशेषज्ञ

तुम कमाओ, तुम निभाओ, तुम बर्दाश्त करो। अगर तुम्हारा रिश्ता टूट जाए, तो भी चुप रहो। अगर तुम्हारे मन में तूफान चल रहा हो, तो भी मुस्कुराते रहो। अगर कोई तुम्हें नहीं समझता, तो खुद को दोष दो। पति बनते ही जैसे भावनाओं की अनुमति छिन जाती है। अगर वह थक गया है, तो भी उसे घर आकर सब कुछ संभालना है। अगर मन टूटा है, तो भी उसे मजबूत बने रहना है।पर सच यह है कि पति, पिता, या बेटा होना जीवन की केवल भूमिका है। यह पूरा जीवन नहीं है। रिश्ते जीवन का हिस्सा हैं, जीवन नहीं।परिवार, पत्नी, बच्चे – यह हमारे कर्तव्य हैं, और हमें उन्हें पुरे मन से निभाना चाहिए। लेकिन अगर कभी कोई रिश्ता संवाद की जगह छोड़ दे, अगर साथ रहते हुए भी मन दूर हो जाए, तो उस दर्द को अपने ऊपर इतना हावी न होने दें कि जीवन ही बेकार लगने लगे। हर रिश्ता तभी सुंदर होता है जब उसमें सम्मान और संवाद हो। अगर संवाद की जगह हो, तो कोशिश करनी चाहिए।लेकिन अगर नहीं हो, तो कर्तव्य निभाते हुए, अपना ध्यान रखते हुए, अपने जीवन को जीते हुए भी रिश्ते निभाए जा सकते हैं।यह जीवन सिर्फ निभाने के लिए नहीं, जीने के लिए मिला है।

हमें यह समझना होगा कि केवल परिवार, पत्नी, बच्चे ही हमारी पहचान नहीं हैं। हमारा जीवन इससे कहीं बड़ा है। हम धरती पर कुछ उद्देश्य लेकर आए हैं – हम ग्रीन एनर्जी के लिए काम कर सकते हैं, गरीब बच्चों को पढ़ा सकते हैं, मिट्टी बचा सकते हैं, प्रकृति के लिए, समाज के लिए कुछ योगदान दे सकते हैं। हमारे चेहरे में भी चार आश्रम बताए – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। इसका अर्थ यही था कि जीवन को संतुलन के साथ जिएं। अगर हम एक ही अवस्था में फंसे रहेंगे – जैसे कि केवल गृहस्थ जीवन में – और बाकी जीवन को भूल जाएंगे, तो दुःख अवश्य आएगा। कर्तव्य करते रहिए, लेकिन स्वयं को मत खोए।

फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

नैन सरोवर झील में, सपनों का स्नान।
भक्त, भक्ति को ज्यों मिली, एक नयी पहचान।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जंक फूड से हार्मोनल असंतुलन और प्रजनन क्षमता पर असर

जंक फूड फास्ट फूड ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनमें पोषक तत्वों की मात्रा कम होती है, योगाचार्य महेश पाल ने बताया की इन खाद्य पदार्थों में कैलोरी, वसा, नमक और चीनी की मात्रा अधिक होती है. ये अक्सर प्रसंस्कृत होते हैं और इनमें विटामिन, खनिज और फाइबर की कमी होती है, कुछ उदाहरणों में चिप्स, कैंडी, मोटे पेय(कोल्ड ड्रिंक),चाँकलेट, आइसक्रीम, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, और अन्य तले हुए और प्रोसेस्ड फूड तले हुए खाद्य पदार्थ और फास्ट फूड वह भोजन होता है जो जल्दी तैयार हो जाता है और तुरंत उपलब्ध हो जाता है, जैसे बर्गर, पिज्जा, सैंडविच शामिल हैं, जंक फूड को अक्सर विवेकाधीन भोजन’ या ‘वैकल्पिक भोजन’ के रूप में भी जाना जाता है,ज्यादातर फास्ट फूड बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड होते हैं और उनमें सोडियम (नमक के रूप में), शर्करा और संतृप्त वसा की महत्वपूर्ण मात्रा होती है। शर्करा में फ्रुक्टोज या सुक्रोज शामिल हो सकते हैं। प्रोसेस्ड चीनी खाने को नशीला बना देती है और लीवर और कई अन्य प्रणालियों के लिए जहरीली हो जाता है लेकिन चीनी, नमक और संतृप्त वसा से भरे अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन का सेवन करने से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा होता है जिनमें, मोटापा, पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम(PCOD), उच्च रक्तचाप,उच्च कोलेस्ट्रॉल, किडनी रोग, साइलेंट हार्ट अटैक, डायबिटीज, थायराइड, तनाव, चिड़चिड़ापन, कमजोर याददाश्त, स्पर्म काउंट कम होना, दुबलापन, गर्भाशय कैंसर , स्तन कैंसर और आंत्र कैंसर शामिल हैं,जंक फूड में उच्च वसा, चीनी और नमक की मात्रा होती है, जो शुक्राणुओं के उत्पादन को प्रभावित करती हैं,जिससे पुरुषों का टेस्टिकल फंक्शन प्रभावित हो जाता है और शुक्राणुओं के उत्पादन की क्षमता कम हो जाती है, कम शुक्राणुओं की संख्या प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती है और पुरुषों में नपुंसकता की समस्या हो जाती है,फास्ट फूड और जंक फूड की लत भावनात्मक अस्थिरता और आवेगपूर्ण व्यवहार से जुड़ी होती है जिससे हमें बह लत लग जाती है,फास्ट फूड की लत लगने में कई कारक योगदान करते हैं जिनमें,इसे आकर्षक ढंग से पैक और प्रस्तुत किया गया

होता है,मोटे लोग लेप्टिन और इंसुलिन हार्मोन के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं, जिसके कारण भूख का नियमन गड़बड़ा जाता है,फास्ट फूड में वसा और नमक की उच्च मात्रा भी आदत निर्माण में योगदान देती है, फास्ट फूड आपके मस्तिष्क में रिवाॅर्ड सिस्टम को सक्रिय करता है। इसमें डोपामाइन का स्त्राव शामिल है, जो तंत्रिका तंत्र का एक शक्तिशाली रासायनिक संचारक है।डोपामाइन सुखदा भावनाओं से जुड़ा हुआ है। चीनी, नमक और स्वाद से भरपूर खाद्य पदार्थ अधिक डोपामाइन स्त्राव को सक्रिय करते हैं।भोजन की लत वाले लोगों में मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों के मामले में देखी जाने वाली तरह की खराब रिवाॅर्ड प्रणाली होती है।,इस लत से बचने के लिए अपने दैनिक दिनचर्या को व्यवस्थित करें और अपने जीवन में योग प्राणायाम को स्थान दें, योग भावनात्मक अस्थिरता एवं डोपामाइन हार्मोन और टेस्टिकल फंक्शन को कंट्रोल करने का काम करता है और टेस्टिकल फंक्शन की कार्य क्षमता को बढता है जिससे पुरुषों में नपुंसकता की समस्या से बचा जा सकता है और योग प्राणायाम से हम हमारी इच्छाओं को नियंत्रित कर फास्ट फूड जंक फूड की लत से भी बचा जा सकता है और हम विभिन्न प्रकार के रोगों से बच सकते हैं,इस लत से बचने के लिए, स्वस्थ भोजन उपलब्ध रखें, रेफ्रिजरेटर में लुभावने लेकिन अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों को न रखें, जंक फूड खाने की लालसा को बढ़ाने वाले टेलीविजन शो और विज्ञापनों से बचे,जंक फूड फास्ट फूड खाने से बचे और विभिन्न प्रकार की समस्याओं व रोगों से अपना बचाव कर योग प्राणायाम को अपने दैनिक दिनचर्या में स्थान दें जिससे हम पूर्ण रूप से स्वस्थ व सशक्त बने रहें और अपने जीवन को आनंद और उत्साह से जीते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात



ललित गर्ग

शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है।
उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश को वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए,

हिंदी पत्रकारिता दिवस 30 मई

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड्मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं.- RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.- 13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड्मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पतापू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)



नवी मुंबई में 2.7 लाख रुपये मूल्य की 'हाइड्रो' गांजा बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

विनय ने बताया कि उन्होंने रामायण का अनुवाद नहीं, बल्कि भावानुवाद किया है, जिसमें भावों को शेरों-शायरी के अंदाज में पेश किया गया है। उनकी लिखी 'विनय रामायण' 500 पन्नों की है, जिसमें 24 खंड और करीब 7,000 शेर हैं।

ने उन्हें रोका और वाहन को तलाशीशो करने ली जिसे दौरान स्कूटर की डिवकी से हाइड्रो गांजा मिला। उन्होंने बताया इनमें से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधिपद्धत एवं मन-अशुभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया पुलिस अब इस बात का तला लगावे की कोशिश कर रही है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था।

को तब तक का प्रहसास करा दिया। पश्चिम बंगाल के बारे में हूए पीएम मोदी ने कहा कि रायच व्यापक हिंसा, अराजकता, नौ में असुरक्षा, बेरोजगारी, श्रमचार से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी की स्वार्थी सत्तानीय बहल लोगों को ज़िब अधिकारों से वंचित कर रही है। पाकिस्तान यह समझ ले तौन बहल उनके घर में घुसकर मारा है। उसे पाता होना चाहिये। ऑपरेशन सिंदूर स्वयं नहीं हुआ है। भारत अब चुनचुनकर दियेयों को खल करमा जानता है। पीएम मोदी ने कहा कि कौन सा बहल परिणाम खुदा और गरीब परिवार भुगतते हैं। बा कि शिक्षक भर्ती घोटाले में श्रमचार कैसे सब कुछ बर्बाद है। टिप्पणी सकारा ने अपने काकाल में हजारी शिक्षकों को और परिणामों को बर्बाद कर दिया। और उनके बच्चों को बेसहारा हैं... पश्चिम बंगाल की पूरी शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो रही है। की अनुपस्थिति ने लाखों छात्रों के भविष्य को खतरों में डाल टिप्पणी सत्ता ने इतना बड़ा पाप किया है। हद तो यह है कि ये लोग अपनी लाली मानने को तैयार नहीं हैं। इसके बजाय तो वे जो कुछ कहते हैं। पीएम मोदी की सकारा की निर्णमता है। जो कुछ भी हुआ, यह सारी की सकारा की निर्णमता है। टिप्पणी के नाम पर गुंडादी को खुली छूट दी गई। किजिज कि जब सकारा सत्ताने वाली पार्टी के लोग लोगों के घरायश करके उन्हें जला दें और पुलिस मूकदर्शन बनी रहे, तो स्थिति बर्बाद होगी। मैं बंगाल के गरीब लोगों से पूछता हूँ, क्या सकारा की है?.. यहां हद मुझे पर अलाल को हस्तभेष करना पड़ता है।

सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने टीएमसी को 'निर्मम सरकार' करार देते हुए कहा कि यह सरकार गरीबों और आम लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रही है। पीएम मोदी ने यहां मंच से कहा कि बंगाल की जनता कह रही है कि 'मची है चीख पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार।' पीएम मोदी ने मुर्शिदाबाद और मालदा की घटनाओं का जिक्र करते हुए टीएमसी सरकार के समय में प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर खयाल उठाए। जनसभा के दौरान मंच

आपूर्ति होगी। सिलेंडर खरीद खत्म होगी, को स्वामिले ने त व था न र हा है वर्ष से अधिक भी शामिल हैं। बंगाल में टीएमसी योजना को लागू जिसके कारण इस लाभ से वर्ग

है, सभी पीएम मोदी को 'आपरेण्डन सिस्टम' के लिए आशीर्वाद दे रही हैं। आतंकवाद के खिलाफ ऐसा आपरेण्डन कभी नहीं हुआ था। आज पीएम मोदी बिहार पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। पीएम मोदी बिहार के विकास के लिए आते हैं। उनका मानना है कि बिहार के विकास हेतु बिना भारत विकास नहीं होगा। जब से बिहार में डबल इंजन की सरकार है, प्रदेश में विकास हो रहा है। पीएम मोदी यहां कई योजनाओं की शुरुआत देंगे। इसी को तो विकास कहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले बक्सर जाने में चार-पांच घंटे लगते थे, अब दो घंटे में लोग चले जा रहे हैं।

दक्षिण कोरियाई नौसेना का गश्ती विमान देश के दक्षिणी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त



सियोल । दक्षिण कोरियाई नौसेना का एक विमान बृहस्पतिवार को एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में चार लोग सवार थे, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि दुर्घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं। नौसेना ने यह जानकारी दी। नौसेना ने एक बयान में कहा कि यह गश्ती विमान दक्षिण-पूर्वी शहर पोहांग स्थित अपने बेस से दोपहर एक बजकर 43 मिनट पर रवाना हुआ था, लेकिन अज्ञात कारण से यह जमीन पर गिर गया। बयान में कहा गया है कि नौसेना विमान में सवार चारों लोगों की स्थिति और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पोहांग स्थित एक आपातकालीन कार्यालय ने बताया कि स्थानीय निवासियों से एक उड़ती हुई वस्तु के गिरने और धमाके की आवाज की सूचना मिलने के बाद मौके पर बचावकर्मियों और दमकल गाड़ियों को भेजा गया था। पोहांग के नामबु पुलिस थाने ने पुष्टि की कि नौसेना का एक गश्ती विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, लेकिन यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि इसमें कोई मौत या घायल हुई है या नहीं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मिला कूटनीतिक सहयोग : संजय झा



जकार्ता (आईएनएस)। जनता दल यूनाइटेड (जेदयू) नेता संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया दौरे पर है। संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को इंडोनेशिया के विचारकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय कुमार झा ने आईएनएस से बातचीत में कहा, “हमने आसियान के महासचिव से मुलाकात की। हम यहां के उप विदेश मंत्री और स्थानीय थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से भी मिले। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इंडोनेशिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, लेकिन भारत के रुख को लेकर यहां बहुत समान है। हाल में भारत पर हुए हमले की यहां के राष्ट्रपति ने निंदा की थी।

अमरनाथ यात्रा चुनौतीपूर्ण रहेगी लेकिन सभी इंतजाम किए जाएंगे : उमर अब्दुल्ला



श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस साल वार्षिक अमरनाथ यात्रा का आयोजन एक चुनौती होगी, लेकिन यात्रा के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कामकाज का आकलन करने के लिए गुलमर्ग में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें आपातकालीन तैयारियों, पर्यटकों की सुरक्षा, खेल और साहसिक पर्यटन, मोबाइल कनेक्टिविटी तथा स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यों की समीक्षा की गई। आगामी धार्मिक पर्वों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मेला खीर भवानी, ईद, मुहर्रम और अमरनाथ यात्रा जैसे आगामी धार्मिक आयोजनों पर चर्चा करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि इस वर्ष की यात्रा विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी।

अभिनेत्री काजोल की अगली फिल्म ‘माँ’ का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, जिसमें वह अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती नज़र आ रही हैं। काजोल फिल्म ‘माँ’ से हॉरर फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर काफी दमदार है। इसकी शुरुआत काजोल से होती है, जबकि उनकी बेटी कार चला रही होती है। बाद में, माँ और बेटी एक अनजान जगह पर पहुंचती हैं, जहां उन्हें एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। जहां ‘शैतान’ में हमने अजय को अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी को आर माधवन से बचाते हुए देखा था, वहीं यहाँ काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले एक अनजान राक्षस से बचाती नज़र आ रही हैं।



कहानी
फिल्म
जगत की

शोपियां में बड़ी कामयाबी शोपियां में दो हाइब्रिड आतंकी हथियारों के साथ गिरफ्तार

श्रीनगर (आईएनएस)

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में हथियार और गोला-बारूद के साथ दो हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि शोपियां जिले के बसकुचन इमाम साहिब इलाके में सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने मिलकर ये आतंकवादी पकड़े। पुलिस ने बताया, “गिरफ्तार आतंकवादियों के पास से दो 56 राइफलें, 4 एके मैगजीन, 102 एके राउंड और 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। इनके खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने पहलगाम आतंकी हिंसा के बाद अपने अभियान को और तेज कर दिया है। 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन वाले आतंकवादी समूह ने बैसरन घाटी में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू मालिक सहित कुल 26 निर्दोष लोगों को मार दिया था। स्थानीय टट्टू मालिक सैयद आदिल हुसैन



की भी हत्या कर दी गई। उसने आतंकवादियों से बहस करने के बाद एक आतंकवादी से राइफल छीनने की कोशिश की थी। निर्दोष लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके जरिए लाहौर के पास मुरीदके, बहावलपुर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकवादियों के ठिकानों पर सटीक हमले कर उन्हें बर्बाद कर दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नागरिक इलाकों पर

भारी मोर्टार से गोलाबारी की। इस गोलाबारी में 28 नागरिक मारे गए, जिनमें से 13 पुंछ जिले में थे। पुंछ, राजौरी, बारामुल्ला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले भी इस गोलाबारी से प्रभावित हुए।

पुंछ जिले में सबसे ज्यादा नागरिकों की जान गई और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ। 23 अप्रैल को अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सेना, सीएपीएफ और पुलिस को आदेश दिया कि वे पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में कोई कसर न छोड़ें।

बिल से बाहर निकला पहलगाम का मास्टरमाइंड कसूरी, ने कहा- अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया

श्रीनगर । एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के पीछे कथित मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) कमांडर सैफुल्लाह कसूरी फिर से सार्वजनिक रूप से सामने आया। उसने एक राजनीतिक रैली में पाकिस्तानी राजनीतिक नेताओं और अन्य वांछित आतंकवादियों के स्टेशन शेयर साझा किया। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों के वार्षिक स्मरणोत्सव यौम-ए-तकबीर के अवसर पर पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग (पीएमएएलए) द्वारा आयोजित इस रैली में भड़काऊ भाषण और भारत विरोधी नारे लगाए गए। उपस्थित लोगों में लश्कर के संस्थापक हाफिज़ सईद का बेटा और भारत द्वारा घोषित आतंकवादी तल्हा सईद भी शामिल था। कसूरी ने पंजाब प्रांत के कसूर में आयोजित रैली में कहा कि मुझे पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया, अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर है।



एलन मस्क ने छोड़ा ट्रंप प्रशासन का साथ, सलाहकार पद से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन (आईएनएस)

एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका से हटने की घोषणा की है, जिससे सरकारी दक्षता विभाग (डीओजी) के साथ विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख

और अरबपति उद्यमी एलन मस्क को संघीय नौकरशाही को सुव्यवस्थित करने और बेकार सरकारी खर्च को कम करने के प्रयासों का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था। बुधवार को एक्स पर हुए मस्क ने अपनी बात रखी। उन्होंने सेवा का अवसर देने के लिए आभार जताया। मस्क ने लिखा, “विशेष सरकारी

कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित कार्यकाल समाप्त हो रहा है, ऐसे में मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सरकारी खर्च को कम करने के लिए ‘एक्स’ के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।” उन्होंने कहा, “डीओजीई मिशन समय के साथ और मजबूत होता जाएगा। मस्क की यह घोषणा ट्रंप के विधायी एजेंडे की आधारशिला की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के ठीक एक दिन बाद आई है।

सीबीएस के साथ एक साक्षात्कार में टेस्ला के सीईओ मस्क ने ट्रंप की ओर से कहे गए “बड़े सुंदर विधेयक” पर निराशा व्यक्त की, जिसमें व्यापक कर कटौती के साथ-साथ कठोर आव्रजन प्रवर्तन का प्रावधान है। इस विधेयक को “बहुत बड़ा व्यव विधेयक” बताते हुए मस्क ने कहा कि यह उनके विभाग के लक्ष्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा, “इससे संघीय घाटा बढ़ता है और डीओजीई का काम कमजोर होता है।

काजोल अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षस से करेंगी लड़ाई

माँ का ट्रेलर : फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत काजोल से होती है, जो अपनी बेटी को पीछे की सीट पर चुपचाप बैठाकर कार चला रही होती हैं। जैसे ही दोनों एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, वे जल्द ही खुद को एक अजीबोगरीब स्थिति में पाती हैं। वे एक ऐसे गाँव में पहुँचती हैं जहाँ पिछले चार महीनों से लड़कियाँ गायब हो रही हैं। इस दौरान काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले राक्षस से बचाती नज़र आती हैं, जिसका नाम है देइस्तो। फिल्म में रोहित रॉय, इंद्रीला सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह और सुर्व शिखा दास भी हैं। काजोल की यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनैचुरल ड्रामा है। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। फिल्म मां 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हिंदी के अलावा यह फिल्म तमिल, तेलुगु और बंगाली भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म मां को ‘शैतान’ से जोड़ा जा रहा है। फिल्म ‘शैतान’ में आर माधवन ने निगेटिव रोल निभाया था। इस फिल्म में आर माधवन भी निगेटिव रोल में हैं। हालाँकि, अभी इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म के निर्माता अजय देवगन ने भी कहा है कि इस फिल्म को ‘शैतान’ से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

मोदी और शी जिनिपिंग की ब्राजील में हो सकती है बैठक

न्यूयॉर्क

नई दिल्ली । भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मिले चीनी सैन्य मदद के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग के बीच ब्राजील में मुलाकात हो सकती है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में दोनों नेताओं की मुलाकात संभव है। रिपोर्ट के मुताबिक 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच मुलाकात की संभावनाओं पर चर्चा है। रिपोर्ट है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो सकती है। हालिया समय में चीन, पाकिस्तान की सैन्य ताकत को लगातार मजबूत कर रहा है और रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने पाकिस्तान एयरफोर्स को तेजी से जे-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने के लिए प्रोडक्शन को तेज कर दिया है। उसके अलावा चीन ने पाकिस्तान को सैटेलाइट सुविधाओं के साथ साथ पीएल-15 एयर टू एयर मिसाइलें भी सौंपी थी, जिसका पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया था। माना जा रहा है कि नई दिल्ली का फोकस भारत व चीन के सामान्य होते रिश्तों में पाकिस्तान के मुद्दे को दूर रखने की है। यदि ब्राजील में दोनों नेताओं की बैठक होती है तो पिछले साल 23 अक्टूबर को रूस के कजान शहर में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं की ये दूसरी मुलाकात होगी। पिछले साल कजान शहर से ही भारत व चीन के रिश्तों को सामान्य करने की कोशिशें शुरू हुई थीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने का फैसला लिया था, उस दौरान भारत ने बार बार चीन को अपनी स्थिति से अवगत कराया था। भारत की कोशिश संघर्ष से चीन को दूर रखने की थी लेकिन चीन डिप्लोमैटिक तरीके पाकिस्तान के सैन्य समर्थन में उतरा, पूरा साथ दिया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद करीब 3 हफ्ते के तनावपूर्ण घटनाक्रम के दौरान चीन ने पाकिस्तान को “ हर मौसम का साथी” बताते हुए उसके “संप्रभुता और



क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा” में समर्थन देने की बात की। सिर्फ इतना ही नहीं, चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को यूनाइटेड नेशंस में बचाने की कोशिश की, जिसने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा बीजिंग ने जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए ‘नरसंहार’ की निष्पक्ष जांच के लिए इस्लामाबाद के आह्वान का भी समर्थन किया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने 7-10 मई को दोनों देशों के बीच झड़प के दौरान भारतीय लक्ष्यों की निशाना बनाने के लिए पीएल-15 मिसाइलें भी दागी थी। इसके अलावा चीन ने पाकिस्तान एयर फोर्स की भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए पाकिस्तान को सैटेलाइट मदद भी दी थी हालाँकि अगर इन घटनाओं के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी, शी जिनिपिंग से मिलने का फैसला करते हैं तो उसका मतलब ये होगा कि भारत ब्रिक्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों को एक बहुपक्षीय सहयोग के अवसर के रूप में देखता है, और ऐसे मंचों पर चीन से बातचीत को रणनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम मानता है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंथीर जायसवाल ने हाल ही में कहा था कि भारत-चीन संबंध “पारस्परिक विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता” पर आधारित होने चाहिए। वहीं, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से भी मुलाकात की थी और चीन-पाकिस्तान सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान सीपीईसी 2.0 को लेकर भी दोनों देशों के बीच बातचीत की गई है।

फ्रांस, जर्मनी, यूके और अमेरिका समेत वैश्विक सैन्य नेतृत्व से संवाद करेंगे सीडीएस

नई दिल्ली (आईएनएस)

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान 30 मई से 1 जून तक सिंगापुर की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के सैन्य प्रमुखों और संबंधित रक्षा अधिकारियों से महत्वपूर्ण वार्ता करेंगे। सीडीएस जनरल अनिलचौहान एशिया के एक प्रमुख रक्षा सम्मेलन ‘शांगरी-ला डायलॉग 2025’ के 22वें संस्करण में शामिल होने के लिए सिंगापुर जा रहे हैं। इस रक्षा संवाद का आयोजन हर वर्ष इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज यानी आईआईएसएस द्वारा



किया जाता है। अपनी इस यात्रा के दौरान जनरल अनिल चौहान विभिन्न देशों के रक्षा प्रमुखों और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे।

मिठाई बनाओ या डेज़र्ट स्वाद में लगे सब बेस्ट

अमूल दूध पीता है इंडिया



चेल्सी ने यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग जीतकर यूरोपीय क्लब ट्रॉफियों का सेट पूरा किया

बीबीएल-15 के लिए जेमी ओवरटन का एडिलेड स्ट्राइकर्स से करार

एडिलेड। बिग बैश लीग-15 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स ने प्री-ड्राफ्ट साइनिंग का ऐलान किया है। फ्रैंचाइजी ने लगातार तीसरे सीजन इंग्लैंड के फास्ट-बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को अपने साथ रखा है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए बीबीएल-14 चुनौतीपूर्ण रहा था, इसके बावजूद ओवरटन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस खिलाड़ी ने बीते सीजन 11 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने एडिलेड ओवल में होबार्ट हरिकेस के खिलाफ कठिन मुकाबले में 27 रन देकर 2 विकेट झटके थे। जेमी ओवरटन का योगदान सिर्फ गेंदबाजी तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने बल्ले से भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 95.40 की असाधारण औसत से 191 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन रहा। ओवरटन ने एक बयान में कहा, “मैं एक और सीजन के लिए एडिलेड में वापस आकर बेहद रोमांचित हूँ। मुझे स्ट्राइकर्स के साथ बिताया समय और एडिलेड ओवल में फैंस से मिलने वाला सपोर्ट बहुत पसंद आया। यह एक शानदार क्लब है, जिसमें कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं।” जेमी ओवरटन ने बीबीएल में अब तक कुल 18 मैच खेले हैं, जिसमें 8.82 की इकाईमेंगे के साथ कुल 27 विकेट अपने नाम किए। जेमी बल्ले से एक बेहतरीन फिनिशर रहे हैं। उन्होंने 150.82 की स्ट्राइक रेट के साथ 276 रन जड़े हैं। इस दौरान उनका औसत 69 रहा है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के हेड कोच टिम पेन ने बीबीएल 15 के लिए जेमी को फिर से साइन करने को एक जरूरी कदम बताया है।

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और सिंधु बाहर



महिला युगल में रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला खेला जाना है

एजेंसी। सिंगापुर

21-18 से शिकस्त दी। ये मुकाबला एक घंटे और 14 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 और दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी गोह सेज फी और नूर इजुद्दीन से भिड़ेगी। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और पीवी सिंधु गुरुवार को राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गए। बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सात्विक-चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की। इस भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के सबर कार्यमन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को 19-21, 21-16,

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट भारत का करेगी दौरा

एजेंसी। मुंबई

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जिसकी पुष्टि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को कर दी। इस दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी, जिसे महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच सीरीज का



पहला वनडे 14 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा और तीसरा मुकाबला क्रमशः 17 और 20 सितंबर को आयोजित होगा। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम सीरीज के सभी तीनों मैचों की

बेंगलुरु में एक्सेल का एआई समिट भारत की उभरती वैश्विक ताकत को दिखाएगा



बेंगलुरु। ग्लोबल वेंचर कैपिटल फर्म एक्सेल ने गुरुवार को कहा कि कंपनी 4 जून को बेंगलुरु में अपने फ्लैगशिप एआई समिट के दूसरे एडिशन की मेजबानी करेगी, जिसमें भारत और अन्य देशों से एआई में दक्ष लोग शामिल होंगे। यह एक इन्वाइट-ओनली एक्सक्लूसिव इवेंट है, जिसकी थीम ‘इंजीनियरिंग इंडियाय एआई एडवांटेज’ रखी गई है। इस इवेंट में लीडिंग एआई फाउंडर्स, रिसर्चर्स, टेक सीएक्सओ, पॉलिसीमेकर्स और ग्लोबल इन्वेस्टर्स एक साथ मंच पर आएंगे। इस इवेंट का उद्देश्य नए विचारों, पार्टनरशिप और फ्रेमवर्क को बैटेल्स्ट करना है, जो ग्लोबल एआई लैंडस्केप को आकार देने में भारत की निर्णायक भूमिका बढ़ाने में मददगार होंगे। नैसर्कॉम के अनुसार, भारत का एआई बाजार 2027 तक 17 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 25 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर की दर से बढ़ रहा है। यूनिफ डेटा एडवांटेज और वर्टिकल एआई स्टार्टअप्स के बढ़ते बेस के साथ भारतीय इनोवेशन हेल्थकेयर, फिन्टेक और रिटेल सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप ने कहा, “भारत का एआई इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें एप्लिकेशन-लेयर एआई अब उद्यमों को वास्तविक मूल्य प्रदान कर रहा है।” उन्होंने कहा, “फाउंडर्स, भारत के डेटा एडवांटेज का लाभ उठाकर अलग-अलग डोमेन-स्पेसिफिक मॉडल बना रहे हैं। यह समिट उस गति को उजागर करने और भारत से वैश्विक एआई कंपनियों को आगे बढ़ाने के लिए फ्रेमवर्क बनाने को लेकर है।

अप्रैल में भारत में कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़कर 1,203.84 मिलियन हुई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा के अनुसार, भारत में कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या मार्च के अंत में 1,200.80 मिलियन से बढ़कर अप्रैल में 1,203.84 मिलियन हो गई, जो मासिक आधार पर 0.25 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। शहरी टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या मार्च के अंत में 666.11 मिलियन से बढ़कर अप्रैल के अंत में 667.19 मिलियन हो गई। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबर्स की संख्या भी 534.69 मिलियन से बढ़कर 536.65 मिलियन हो गई। संचार मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल के दौरान शहरी और ग्रामीण टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.16 प्रतिशत और 0.37 प्रतिशत थी।

क्रिकेट का महाकुंभ



पंजाब को हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फाइनल में



एजेंसी

नई दिल्ली। 2016 के बाद आखिरकार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल फाइनल में जगह बनाने में सफल हो ही गई। आरसीबी 2017 से लेकर 2024 तक चार बार प्लेऑफ में पहुंची थी लेकिन आगे जा नहीं पाई थी लेकिन इस बाद मुल्लापूर के मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालिफायर 1 को जीतते ही उन्होंने यह रिकॉर्ड बना दिया। रोचक मुकाबले में पहले

खेलते हुए पंजाब टीम सिर्फ 101 रन ही बना पाई थी। आरसीबी के सुयश शर्मा और जोश हेजलवुड ने तीन-तीन विकेट ली। जवाब में खेलने उतरी आरसीबी के लिए यह मुकाबला आसान रहा। विराट कोहली 12 तो मर्यक अग्रवाल 19 रन बनाकर आउट हुए लेकिन फिल सॉल्ट ने अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। अब आरसीबी फाइनल मुकाबले में क्वालिफायर 2 के विजेता के साथ भिड़ेगी।

अब क्या होगा पंजाब किंग्स का ?

पंजाब किंग्स अभी फाइनल की रस से बाहर नहीं हुई है। अंक तालिका में टॉप करने के चलते उन्हें अब क्वालिफायर 2 खेलने का मौका मिलेगा? जोकि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इस मैच में पंजाब की विरोधी टीम वो होगी जोकि गुजरात टाइटन्स बनाम मुंबई इंडियंस के एलिमिनेटर मुकाबले में जीतेगी। क्वालिफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में आरसीबी के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर ही तीन जून को भिड़ेगी।

पंजाब किंग्स : 101-10 (14.1 ओवर)

पंजाब की शुरुआत खराब रही। प्रियांश आर्य के रूप में दूसरे ही ओवर में टीम को पहला झटका लगा जब यश दयाल ने उन्हें कुणाल के हाथों कैच आउट करवा दिया। इसके बाद प्रभसिंमरन सिंह (18) ने 2 चौके लगाए लेकिन तीसरे ही ओवर में वह भुवी का शिकार हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर रन गति बढ़ाने के चक्कर में चौथे ही ओवर में केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए। जोश इंग्लिस को हेजलवुड ने निशाना बनाया इससे पंजाब का स्कोर पावरप्ले के अंदर ही 38 रन पर 4 विकेट हो गया। नेहल वडेहरा (8) ने आते ही एक शॉट लगाया लेकिन जल्दी ही वह यश दयाल का शिकार हो गए। इसके बाद शांशांक सिंह महज 3 रन बनाकर सुयश शर्मा का शिकार हो गए। सुयश ने इसके बाद मुशीर खान की भी विकेट निकाल दी जिससे पंजाब के 60 रन पर 7 विकेट हो गए। सेट बल्लेबाज स्टोइनिंस 17 गेंदों पर 26 रन बनाकर सुयश का ही शिकार हुए। यह उनकी तीसरी विकेट रही। हरप्रीत बराड़ चार रन बनाकर रोमारियो शेफर्ड और उमरजजई 18 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार हो गए। सुयश और हेजलवुड ने मिलकर 3-3 विकेट लीं।

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट भारत का करेगी दौरा

एजेंसी। मुंबई

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जिसकी पुष्टि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को कर दी। इस दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी, जिसे महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच सीरीज का



पहला वनडे 14 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा और तीसरा मुकाबला क्रमशः 17 और 20 सितंबर को आयोजित होगा। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम सीरीज के सभी तीनों मैचों की

गुकेश ने तीसरे राउंड में वापसी की

स्टावेंजर। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोमाराजू ने विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारु नाकामुरा को बराबरी के मुकाबले में हराकर अपने खिताब की दावेदारी मजबूत कर ली है। पहले दो राउंड में दो हार के बाद भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत इससे बेहतर पल नहीं हो सकती थी। नॉर्वे शतरंज के पहले दिन गुकेश को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह तनाव भरे ऑल-इंडियन मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी से हार गए, लेकिन विश्व चैंपियन ने तीसरे राउंड में नाकामुरा पर जीत के साथ वापसी की। फैबियानो कारुआना ने पहले राउंड में हारने के बाद शानदार वापसी की है और एक और जीत दर्ज की है। इस बार उन्होंने भारतीय स्टार एरिगैसी को हराया। इस जीत के साथ, उन्होंने लाइव रेटिंग सूची में एरिगैसी से विश्व नंबर 3 स्थान हासिल किया। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वेई यी के बीच एकमात्र ड्रॉ हुआ।

व्यापार/लाइफ व साइंस

विकसित भारत के लिए देश में बढ़ानी होगी श्रम उत्पादकता : सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने गुरुवार को कहा कि श्रम उत्पादकता में निरंतर वृद्धि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में अपने संबोधन में बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता बढ़ने से अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाकर और श्रम गतिविधि को बढ़ाकर उच्च मूल्य संवर्धन होगा। इससे आय बढ़ाने, देश के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और बेजोड़ जनसांख्यिकी की क्षमता का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत में श्रम उत्पादकता में अपेक्षित गति



से सुधार नहीं हो रहा है। क्रय शक्ति समता में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका के आकार का आधा है, जबकि श्रम शक्ति का आकार अमेरिका के आकार का तीन गुना है। हमारा उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए श्रम शक्ति का लाभ उठाना और बेहतर रोजगार पैदा करना

यूनिफाइड डाटा टेक की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर को आईटी सर्विस देने वाली कंपनी यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज प्रीमियम लिस्टिंग और बाद में अपर सर्किट लेवल तक पहुंच कर आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एस्पएसई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 4.40 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 285 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद विक्रवाली का दबाव बन जाने से ये शेयर कुछ देर तक गिरावट का शिकार होकर इश्यू प्राइस

से नीचे 272.50 रुपये के स्तर पर भी कारोबार करता रहा, लेकिन ये दबाव अधिक देर तक कायम नहीं रहा। दोपहर 12 बजे के पहले ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण दोपहर दो बजे तक ये शेयर 299.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.62 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिसॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरअल्ट 91.12 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

गेहूं की तरह बोएं धान, कम होगी लागत, उपज भी होगी बराबर

लखनऊ। किसानों की आय बढ़ाना डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे बढ़ाने का सबसे प्रभावी जरिया है, कम लागत में अधिक उपज। केंद्र सरकार इसी मकसद से ‘विकसित कृषि संकल्प अभियान’ शुरू कर रही है। उम्मीद है कि इस देशव्यापी अभियान का लाभ खरीफ के मौजूदा सीजन में ही मिलेगा। योगी सरकार भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए जी-जान से जुट गई है। उल्लेखनीय है कि खरीफ की मुख्य फसल धान है। नर्सरी में तैयार पौधों को कुशलता से निकालना, इनकी रोपाई के लिए खेत की तैयारी, फसल संरक्षण के उपायों से लेकर फसल की कटाई और मड़ाई तक का काम काफी श्रमसाध्य है। स्वाभाविक है कि इस सबमें अच्छी खासी लागत आती है।”

इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग और नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन सही दिशा में उठाए गए कदम : सुनील मितल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मितल ने गुरुवार को उद्योग जगत से बड़े लक्ष्यों की आकांक्षा रखने का आग्रह किया। साधों ही, उन्होंने देश के विकास में सभी हितधारकों के साथ विश्वास स्थापित करने की बात कही। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई ‘एनुअल बिजनेस समिट’ में उन्होंने देश की क्षमता का निर्माण करने के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 5जी डिप्लॉयमेंट में भारत की सफलता का उदाहरण भी दिया। मितल ने कहा कि राष्ट्र को जनसांख्यिकीय लाभांश को पहचानना चाहिए।



उन्होंने कहा, “भारत का युवा और ऊर्जावान वर्कफोर्स विकसित दुनिया के लिए एक परिसंपत्ति हो सकता है, लेकिन उद्योग और सरकार को इस टैलेंट पूल को भविष्य में नौकरी के लिए तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए।” सुनील

सकारात्मक वैश्विक संकेतों से हरे निशान में बंद शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। बाजार में चौरफा खरीदारी देखी गई। संसेक्स 320.70 अंक या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,633.02 और निफ्टी 81.15 अंक या 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,833.60 पर था। बाजार में तेजी की वजह सकारात्मक वैश्विक संकेतों को माना जा रहा है। अमेरिकी कोर्ट ने रिसप्रोकल टैरिफ को रद्द कर दिया है और इसे असंवैधानिक माना है। इससे सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। लार्जकैप तथा सीआईआई जैसे और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 315.85 अंक या 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,457.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स



और महिला खेल के एलीट वर्ग के बीच अंतर को उजागर किया। मैच की शुरुआत राडुकानू के लिए उम्मीद की किरण के साथ हुई क्योंकि उसने दूसरे गेम में ब्रेक प व। ई ट अर्जित किया।

लेकिन एक बार जब स्वीयाटेक ने सर्विस को बनाए रखा, तो उनका खेल बदल गया। चार बार की रौलां गैरो चैंपियन और व्यापक रूप से ‘क्वीन ऑफ क्ले’ के रूप में मानी जाने वाली पोल ने पहले सेट के बाकी हिस्सों में राडुकानू की दूसरी सर्विस का फायदा उठाया और दोनों विंग से गलतियां करवाईं।

